शिक्षा आयोजकों और प्रशासकों का राष्ट्रीय स्टॉफ कालिज

वार्षिक रिपोर्ट

1975-76

17-बी, श्री अरविन्दो मार्ग, नई दिल्ली-110016

LIBRARY & DOCUMENTATION
National Institute of Educational
Planning and Administration.
17-B, Sri Aurobindo Marg,
New Delhi-110016
DOC, No D-9356
Date 6-12-96

सूची

प्रस्तावना

I. प्रशासन, निधि और वित्त 1

उद्देश्य 7
परिषद् 8
कार्यकारी समिति 8
निधि और वित्त 8
छात्रावास 8
स्टॉफ 8

II. कार्य और क्रियाकलापों का पुनर्विलोकन

हिमाचल प्रदेश के शिक्षा अधिकारियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम 11
केन्द्रीय विद्यालयों के प्रधानाचार्यों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम 13
उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा में सीधे भरती किए गये व्यक्तियों के लिए स्थानबद्ध कार्यक्रम 14
उत्तर-पूर्वी क्षेत्र से आए राज्य शिक्षा अधिकारियों के लिए शिक्षा योजना और प्रशासन पर त्रिमासीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम 15
जम्मू और कश्मीर के कालिजों के प्रधानाचार्यों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम 18
जिला शिक्षा अधिकारियों का अखिल भारतीय सम्मेलन 20
शिक्षा प्रशासन का अखिल भारतीय सर्वेक्षण 22
सिक्किम में शिक्षा का विकास 24
शिक्षा योजना में द्वितीय समूह प्रशिक्षण पाठ्यक्रम 25
पुस्तकालय और प्रलेखन सेवाएँ 27
प्रकाशन 28

परिशिष्ट

(I) परिषद् के सदस्यों की सूची 31
(II) कार्यकारी समिति के सदस्यों की सूची 33

(III)	1975-76 की लेखा-परीक्षा रिपोर्ट	34
(IV)	संकाय के सदस्य	41
(V)	स्टॉफ में परिवर्तन	42
(VIअ)	हिमाचल प्रदेश से आए शिक्षा अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने वालों की सूची	43
(VIआ)	केन्द्रीय विद्यालयों के प्रधानाचार्यों के प्रथम अभिविन्यास पाठ्यक्रम में भाग लेने वालों की सूची	45
(VIइ)	केन्द्रीय विद्यालयों के प्रधानाचार्यों के द्वितीय अभिविन्यास पाठ्यक्रम में भाग लेने वालों की सूची	47
(VIई)	उत्तरी-पूर्वी क्षेत्र के राज्य शिक्षा अधिकारियों के लिए शिक्षा योजना और प्रशासन पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भाग लेने वालों की सूची	49
(VIउ)	जम्मू और कश्मीर के कालिजों के प्रधानाचार्यों के अभिविन्यास पाठ्यक्रम में भाग लेने वालों की सूची	51
(VII)	शिक्षा योजना में यूनेस्को द्वितीय समूह प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भाग लेने वालों की सूची	52
(VIII)	एशियाई संस्थान/स्टॉफ कालिज के प्रकाशनों की अद्यतन सूची	54

प्रस्तावना

शिक्षा आयोजकों और प्रशासकों के राष्ट्रीय स्टॉफ कालिज की स्थापना मुख्यत: प्रशिक्षण देने, संगोष्ठी और सम्मेलन आयोजित करने, अनुसंधान करने, राज्य सरकारों को परामर्श-सेवा प्रदान करने और अन्य देशों विशेष रूप से एशियाई क्षेत्र के देशों को, उनके अनुरोध पर प्रशिक्षण सुविधाएँ प्रदान करने और शिक्षा योजना और प्रशासन के क्षेत्र की सूचना के वितरण केन्द्र के रूप में कार्य करने के लिए की गई थी।

स्टॉफ कालिज स्वायत्त संस्था है और इसका पंजीकरण समितियों के पंजीकरण अधिनियम (1860 का अधिनियम XXI) के अंतर्गत हुआ था। यह 31-12-1970 को पंजीकृत हुआ था।

इस रिपोर्ट में स्टॉफ कालिज की 1975-76 वर्ष की मुख्य गतिविधियों और कार्यक्रमों का पुनर्विलोकन किया गया है।

रिपोर्ट दो भागों में विभाजित है। भाग I में प्रशासन, निधि और वित्त की स्थिति दी गई है और भाग II में पुनर्विलोकनाधीन अवधि के दौरान स्टॉफ कालिज के क्रिया-कलापों और कार्यक्रमों का संक्षिप्त विवरण दिया गया है। मुख्य क्रियाकलाप निम्न हैं :—

	अवधि	भाग लेने वालों की संख्या
I प्रशिक्षण पाठ्यक्रम		
(1) उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों के राज्य शिक्षा अधिकारियों के लिए शिक्षा योजना और प्रशासन पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम।	जनवरी 1 से 31 मार्च, 1976	25
II अभिविन्यास पाठ्यक्रम		
(1) हिमाचल प्रदेश के शिक्षा अधिकारियों के लिए अभिविन्यास पाठ्यक्रम।	अप्रैल 17 से 29 अप्रैल, 1975 तक	23
(2) केन्द्रीय विद्यालयों के प्रधानाचार्यों के लिए प्रथम अभिविन्यास पाठ्यक्रम।	जून 5 से 13 जून, 1975 तक	24
(3) केन्द्रीय विद्यालयों के प्रधानाचार्यों के लिए द्वितीय अभिविन्यास पाठ्यक्रम।	अक्तूबर 16 से 28 अक्तूबर, 1975 तक	23

	अवधि	भाग लेने वालों की संख्या
(4) जम्मू और कश्मीर के कालिजों के प्रधानाचार्यों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम।	फरवरी 16 से 26 फरवरी, 1976 तक	6
III स्थानबद्ध कार्यक्रम		
उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा में सीधे भरती किए गए लोगों के लिए स्थानबद्ध कार्यक्रम।	जुलाई 10 से 23 जुलाई, 1975 तक	2
IV संगोष्ठी और सम्मेलन		
ज़िला शिक्षा अधिकारियों का अखिल भारतीय सम्मेलन।	मार्च 6 से 8 मार्च, 1976 तक	262
V अनुसंधान और अध्ययन		
शिक्षा प्रशासन का अखिल भारतीय सर्वेक्षण : अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह, चंडीगढ़ और गोवा, दमन और दीव पर प्रकाशित रिपोर्ट।		
VI परामर्श सेवाएँ		
केन्द्रीय शिक्षा मंत्री के अनुरोध पर श्री वेद प्रकाश, तत्कालीन कार्यकारी निदेशक, सिक्किम राज्य की शिक्षा समस्याओं का अध्ययन करने और शिक्षा के भावी विकास से सम्बन्धित सिफ़ारिशें करने के लिए सिक्किम गए।		
VII अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों के साथ सहयोग		
शिक्षा के यूनेस्को क्षेत्रीय कार्यालय, बैंकाक (थाईलैंड) द्वारा आयोजित शिक्षा योजना के द्वितीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम दल में भाग लेने वालों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यगोष्ठी (व्यक्तिगत संपर्क कार्यक्रम) का आयोजन।	नवम्बर 10 से 5 दिसम्बर, 1975 तक	28

VIII प्रकाशन

ऊपर I और II में दिए गए प्रत्येक प्रशिक्षण कार्यक्रम की अनुलिखित रिपोर्टों के प्रकाशन के अलावा निम्नलिखित प्रकाशन भी निकाले गए :

1. बढ़ती हुई जनसंख्या और शैक्षिक अवसरों की खोज

2. शिक्षा प्रशासन के सर्वेक्षण की रिपोर्टें :
   —अंडमान और निकोबार द्वीप समूह
   —चंडीगढ़
   —गोवा, दमन और दीव ।

IX व्यय

वर्ष के दौरान कुल व्यय 8.58 लाख रुपए हुआ था (5.61 लाख रुपए योजना व्यय और 2.97 लाख रुपए गैर-योजना व्यय) ।

I

प्रशासन, निधि और वित्त

प्रशासन, निधि और वित्त

प्रस्तावना

देश में शिक्षा योजना और प्रशासन को सुधारने और सुदृढ़ करने के विचार से, शिक्षा आयोजकों और प्रशासकों के राष्ट्रीय स्टॉफ कालिज की स्थापना समितियों के पंजीकरण अधिनियम (1860 का अधिनियम XXI) के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्था के रूप में हुई थी। यह 31-12-1970 को पंजीकृत हुआ था।

उद्देश्य

स्टॉफ कालिज के उद्देश्य निम्न हैं :

(अ) केन्द्र, राज्यों तथा संघ राज्य क्षेत्रों के वरिष्ठ शिक्षा अधिकारियों के लिए पूर्व-सेवा और अंत: सेवा प्रशिक्षण, सम्मेलन, कार्य-गोष्ठी, बैठकें, संगोष्ठी और विवरण-सत्र आदि आयोजित करना;

(आ) शिक्षा योजना और प्रबन्ध से संबंधित प्रशिक्षकों और प्रशासकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना;

(इ) विश्वविद्यालय और कालिजों के प्रशासकों के लिए, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अनुमोदन से अभिविन्यास कार्यक्रम और पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का आयोजन करना;

(ई) शिक्षा योजना और प्रशासन के विभिन्न पहलुओं पर, जिसमें भारत के विभिन्न राज्यों और विश्व के अन्य देशों में योजना तकनीकों और प्रशासनिक कार्यविधियों का तुलनात्मक अध्ययन शामिल है, किए जाने वाले अनुसंधान कार्य को हाथ में लेना, सहायता देना, संवर्धन करना और उसका समन्वय करना;

(उ) शिक्षा योजना और प्रशासन के कार्य में व्यस्त एजेंसियों, संस्थाओं और कार्मिकों को शैक्षणिक और व्यावसायिक मार्गदर्शन देना;

(ऊ) राज्य सरकारों तथा अन्य शिक्षा संस्थाओं के अनुरोध पर उन्हें परामर्श-सेवा उपलब्ध करवाना;

(ए) शिक्षा योजना और प्रशासन सेवाओं तथा अन्य कार्यक्रमों से संबंधित अनुसंधान, प्रशिक्षण तथा विस्तार के विचारों और सूचनाओं के वितरण केन्द्र के रूप में कार्य करना;

(ऐ) इन उद्देश्यों को पूरा करने हेतु शोध-पत्रों, पत्रिकाओं तथा पुस्तकों को तैयार करना, उनका मुद्रण तथा प्रकाशन करना और विशेष रूप से, शिक्षा योजना और प्रशासन पर पत्रिका निकालना ;

(ओ) इन उद्देश्यों के संवर्धन के लिए, भारत और भारत के बाहर अनेक एजेंसियों, संस्थाओं और संगठनों—जिसमें विश्वविद्यालय, प्रबन्ध और प्रशासन संस्थान और अन्य संबद्ध संस्थाएँ शामिल हैं—के साथ जिस प्रकार भी उचित समझा जाए, सहयोग करना;

(औ) स्टॉफ कालिज के प्रवर्धन के लिए अध्येतावृत्तियाँ और छात्रवृत्तियाँ प्रदान करना; और

(अं) अन्य देशों को, विशेष रूप से ऐशियाई क्षेत्र के देशों को, उनके अनुरोध पर, शिक्षा-योजना और प्रशासन संबंधी प्रशिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएँ देना और इस प्रकार के कार्यक्रमों में सहयोग करना।

परिषद्

स्टॉफ कालिज के समस्त प्राधिकार परिषद् में निहित हैं, जिसमें 23 सदस्य हैं और जिसकी अध्यक्षता केन्द्रीय शिक्षा मंत्री करता है। स्टॉफ कालिज का निदेशक पदेन सदस्य-सचिव हैं। परिषद् को 1 सितम्बर, 1975 को पुनर्गठित किया गया था। पुनर्गठित परिषद् के सदस्यों की सूची परिशिष्ट I में दी गई है।

कार्यकारी समिति

स्टॉफ कालिज का प्रशासन आठ सदस्यों की कार्यकारी समिति द्वारा संचालित होता है जिससी अध्यक्षता भी केन्द्रीय शिक्षा मंत्री करता है। स्टॉफ कालिज का निदेशक इसका सदस्य-सचिव है। कार्यकारी समिति के सदस्यों की सूची परिशिष्ट II में दी गई है।

विचाराधीन अवधि के दौरान कार्यकारी समिति की एक बैठक 18 मार्च, 1976 को स्टॉफ कालिज द्वारा हाथ में लिए जाने वाले कार्यक्रमों और विभिन्न प्रशासनिक मामलों के विचारार्थ हुई थी।

निधि और वित्त

स्टॉफ कालिज का पूर्णरूपेण वित्तीयन केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार करता है। विचाराधीन अवधि के दौरान, स्टॉफ कालिज को 9,51,942.55 रुपयों का अनुदान (6,89,942.55 रुपए योजना लेखा और 2,62,000.00 रुपए गैर-योजना लेखा) दिया गया। इस अवधि के दौरान कुल व्यय 8,58,631.04 रुपए (5,61,231.48 रुपए योजना लेखा और 297399.56 गैर-योजना लेखा) हुआ था।

वर्ष 1975-76 के लेखों की लेखा-परीक्षा 30-12-76 से 19-1-77 तक की गई है। लेखा परीक्षा रिपोर्ट की एक प्रति परिशिष्ट III में दी गई है।

छात्रावास

स्टॉक कालिज का अपना छात्रावास है जिसमें पूर्णरूपेण सज्जित गुसल लगे 48 एकल कमरे हैं। स्टॉफ कालिज द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम मुख्य रूप से आवासी हैं।

स्टॉफ

प्रो० एम० वी० माथुर ने 4-10-1975 को निदेशक पद का कार्यभार पुनः ग्रहण किया। 31-3-1976 को संकाय के सदस्यों की सूची परिशिष्ट IV में दी गई है। इस अवधि में स्टॉफ में होने वाले परिवर्तन परिशिष्ट V में दिए गए हैं।

II

कार्य और क्रियाकलापों का पुनर्विलोकन

हिमाचल प्रदेश के शिक्षा अधिकारियों के लिए अभिविन्यास पाठ्यक्रम
(नई दिल्ली : 17 अप्रैल से 29 अप्रैल, 1975 तक)

हिमाचल प्रदेश सरकार के अनुरोध पर और सहयोग से स्टॉफ कालिज ने राज्य के जिला और अन्य वरिष्ठ शिक्षा अधिकारियों के लिए 17 अप्रैल से 29 अप्रैल, 1975 तक शिक्षा प्रशासन के आधुनिकीकरण पर एक अभिविन्यास पाठ्यक्रम आयोजित किया।

उद्देश्य

पाठ्यक्रम के मुख्य उद्देश्य निम्न थे :

(अ) भाग लेने वालों को पाँचवीं पंचवर्षीय योजना में दिए गए शिक्षा विकास के उद्देश्यों के प्रसंग में राज्य की शिक्षा की पाँचवीं पंचवर्षीय योजना की भली प्रकार समझने में सहायता करना;

(आ) भाग लेने वालों को शिक्षा योजना और प्रशासन की, विशेष रूप से हिमाचल प्रदेश के संदर्भ में, कुछेक मूलभूत संकल्पनाओं से अवगत कराना;

(इ) भाग लेने वालों को नए कार्यक्रमों, यथा 10+2+3 शिक्षा पद्धति को प्रारम्भ करने, माध्यमिक शिक्षा का व्यावसायीकरण, गैर-औपचारिक शिक्षा आदि का कार्यान्वयन करने के योग्य बनाना; और

(ई) भाग लेने वालों को हिमाचल प्रदेश सरकार की सेवा और वित्त नियमावली से सुपरिचित कराना।

भाग लेने वाले

पाठ्यक्रम में कुल मिलाकर 23 व्यक्तियों ने भाग लिया जिसमें 10 जिला शिक्षा अधिकारी, 6 उच्च माध्यमिक स्कूलों के प्रधानाचार्य और शिक्षा निदेशालय के 7 अधिकारी शामिल थे। [परिशिष्ट VI (अ)]

मुख्य मूल-विषय

पाठ्यक्रम में निम्नलिखित मुख्य मूल-विषय शामिल थे :

(I) शिक्षा की पंचवर्षीय योजना—राष्ट्रीय और राज्य की ;
(II) जिला और संस्थागत योजना के विशेष संदर्भ में योजना प्रक्रिया का विकेन्द्रीकरण;
(III) योजना कार्यान्वयन और मूल्यांकन;
(IV) शिक्षा प्रशासन का आधुनिकीकरण;
(V) गैर-औपचारिक शिक्षा;

(VI) 10+2+3 शिक्षा पद्धति, माध्यमिक शिक्षा का व्यावसायीकरण और रोजगार ;

(VII) आदिवासियों और लड़कियों की शिक्षा;

(VIII) शिक्षा और सामाजिक परिवर्तन;

(IX) अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक स्थिति;

(X) कार्मिक और वित्तीय प्रबन्धन;

(XI) स्कूल सुधार, निरीक्षण और पर्यवेक्षण; और

(XII) जिला शिक्षा अधिकारी के बदलते हुए दायित्व और उसके पुनरभिविन्यास का प्रश्न ।

पाठ्यक्रम विषय-वस्तु

(I) 26 सामयिक रुचि के मूल-विषयों पर व्याख्यान-परिचर्चा;

(II) (i) शिक्षा प्रशासन का आधुनिकीकरण, (ii) स्कूल निरीक्षण और पर्यवेक्षण, और (iii) जिला शिक्षा अधिकारी के बदलते दायित्व और उसके अंत: सेवा प्रशिक्षण के प्रश्न पर तीन पैनल परिचर्चा;

(III) संसद में क्षेत्रवीक्षण; और

(IV) शिक्षा चित्र ।

केन्द्रीय विद्यालयों के प्रधानाचार्यों के लिए अभिविन्यास पाठ्यक्रम

(नई दिल्ली : 5 जून से 13 जून, 1975 तक और 16 अक्तूबर से 28 अक्तूबर, 1975 तक)

केन्द्रीय विद्यालय संगठन के अनुरोध पर और उसके सहयोग से स्टॉफ कालिज ने केन्द्रीय विद्यालयों के चुने हुए प्रधानाचार्यों के लिए दो अभिविन्यास पाठ्यक्रम आयोजित किए। पहला पाठ्यक्रम नई दिल्ली में 5 जून से 13 जून, 1975 तक हुआ था, जिसमें 24 प्रधानाचार्यों ने भाग लिया। [परिशिष्ट VI (आ)] इसी पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति 16 अक्तूबर से 28 अक्तूबर, 1975 तक की गई जिसमें 23 अन्य प्रधानाचार्यों ने भाग लिया। [परिशिष्ट VI (इ)]

मुख्य उद्देश्य

पाठ्यक्रमों के मुख्य उद्देश्य निम्न थे :

—भाग लेने वालों को राष्ट्रीय शिक्षा पद्धति में केन्द्रीय विद्यालयों की भूमिका से अवगत कराना।

—भाग लेने वालों को नए पंचवर्षीय योजना कार्यक्रमों, यथा 10+2+3 शिक्षा पद्धति को लागू करने, कार्यानुभव, माध्यमिक शिक्षा के व्यावसायीकरण, गैर-औपचारिक शिक्षा आदि, के क्रियान्वयन के योग्य बनाना।

—भाग लेने वालों को प्रगतिशील शिक्षा की आधुनिक संकल्पनाओं और केन्द्रीय विद्यालय संगठन सेवा और वित्त नियमावली से परिचित कराना।

मुख्य मूल-विषय

निम्नलिखित मूल-विषय इसमें सम्मिलित थे :

—केन्द्रीय विद्यालय और उनका राष्ट्रीय शिक्षा में स्थान;

—स्वतंत्रता-प्राप्ति के बाद से माध्यमिक शिक्षा का विकास;

—प्रगतिशील शिक्षा की आधुनिक संकल्पनाएँ, स्कूल और समुदाय सेवा और शिक्षा में जनसंपर्क माध्यम का उपयोग;

—कार्मिक और वित्तीय प्रबन्धन;

—कार्यानुभव, 10+2+3 शिक्षा पद्धति और माध्यमिक शिक्षा का व्यावसायीकरण;

—अंत: सेवा शिक्षा;

—गैर-औपचारिक लिक्षा;

—परीक्षा सुधार और स्व-मूल्यांकन;

—शारीरिक शिक्षा, खेल-कूद और अन्य बहिरंग क्रियाकलाप;

—स्कूल और समाज;

—सेवा नियमावली; और

—वित्त नियमावली।

उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा में सीधे भरती किए गए व्यक्तियों के लिए स्थानबद्ध कार्यक्रम
(नई दिल्ली : 10 जुलाई से 23 जुलाई, 1975 तक)

स्टॉफ कालिज उत्तर प्रदेश सरकार के अनुरोध पर 1974-75 से दो सप्ताह का विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम उत्तर प्रदेश राज्य शिक्षा सेवा में सीधे भरती किए गए लोगों के लिए आयोजित कर रहा है। पुनर्विलोकनाधीन अवधि के दौरान स्टॉफ कालिज ने 10 जुलाई से 23 जुलाई, 1975 तक एक स्थानबद्ध कार्यक्रम उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा में सीधे भरती किए गए लोगों के दल के लिए आयोजित किया था।

मुख्य भाग

कार्यक्रम के तीन मुख्य भाग थे—(I) शिक्षा योजना की मूल संकल्पनाएँ और तकनीक; प्रशासन और प्रबन्धन; संस्थागत योजना; निरीक्षण और पर्यवेक्षण और संस्थागत और कार्मिक प्रबंधन आदि पर अनुशिक्षण; (II) चुने हुए संस्थान, यथा राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, शिक्षा मंत्रालय, योजना आयोग, केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन और अनुप्रयुक्त मनुष्य-शक्ति अनुसंधान संस्थान आदि में जाना; (III) निर्देशित पाठ्य सामग्री।

उत्तर-पूर्वी क्षेत्र से आए राज्य शिक्षा अधिकारियों के लिए शिक्षा योजना और प्रशासन पर त्रिमासीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

(नई दिल्ली : जनवरी 1 से मार्च 31, 1976 तक)

स्टॉफ कालिज द्वारा उत्तर-पूर्वी क्षेत्र से आए 24 वरिष्ठ शिक्षा अधिकारियों के लिए शिक्षा योजना और प्रशासन पर एक त्रिमासीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम 1 जनवरी से 31 मार्च, 1976 तक आयोजित किया गया था। [परिशिष्ट VI (ई)]

उद्देश्य

पाठ्यक्रम मुख्यत: राज्य सरकारों, संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों के शिक्षा योजना और प्रशासन क्षेत्र के पेशेवर प्रशिक्षित व्यक्तियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के उद्देश्य से बनाया गया था।

पाठ्यक्रम के मुख्य उद्देश्य निम्न थे :

(अ) भाग लेने वालों को शिक्षा योजना और प्रशासन की मूलभूत संकल्पनाओं से अवगत कराना;

(आ) भाग लेने वालों को शिक्षा आयोजक और प्रशासक के रूप में काम करने के लिए आवश्यक मूल कौशल और तकनीक का ज्ञान कराना;

(इ) भाग लेने वालों की समस्या-समाधान योग्यता का विकास करना और विवेचनापूर्ण नवीन प्रक्रियात्मक चिंतन को प्रोत्साहित करना;

(ई) भाग लेने वालों में शिक्षा योजना और विकास में सहायक उपयुक्त अभिवृत्तियों को प्रोत्साहित करना; और

(उ) भाग लेने वालों को पाठ्यक्रम के प्रबंधन से, जितना अधिक संभव हो, घनिष्ठ रूप से सम्बद्ध कर देना ताकि वे अपने-अपने राज्यों में लौटकर उसी प्रकार के कार्यक्रम आयोजित कर सकें।

भाग लेने वाले

8 राज्य/संघ राज्य प्रशासनों से 24 व्यक्तियों ने कार्यक्रम में भाग लिया। भाग लेने वालों का राज्यवार ब्यौरा निम्न प्रकार था : अरूणाचल प्रदेश (2), आसाम (4), मणीपुर (4), मेघालय (3), मिजोरम (1), नागालैंड (2), सिक्किम (5) और त्रिपुरा (3)।

इसके अतिरिक्त संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के प्रादेशिक कार्यक्रम के अंतर्गत अफ़गानिस्तान से प्रतिनियुक्त एक व्यक्ति ने भी इस पाठ्यक्रम में भाग लिया।

पाठ्यक्रम विषय-वस्तु

पाठ्यक्रम के प्रमुख अंग निम्न थे :

(i) चुने हुए मूल-विषयों पर व्याख्यान और पैनल परिचर्चा;

(ii) भाग लेने वालों की आवश्यकताओं और रूचि से संबंधित विशेष बिषयों पर अनुशिक्षण;

(iii) शैक्षिक आँकड़ों का विश्लेषण ; विद्यालय मान चित्रण; जिला और संस्थागत योजना, सेवा और वित्त नियमावली को लागू करने आदि से संबंधित व्यावहारिक अभ्यास; और

(iv) उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के राज्यों में वैयक्तिक और वर्ग अध्ययन करना ताकि शिक्षा योजना और प्रशासन के पुनरभिविन्यास से संबंधित सत्र बोध-पत्र तैयार किए जा सकें।

पाठ्यक्रम के कुछेक अन्य अंग थे : पुस्तक समीक्षा, निदेशकों की संगोष्ठी और दिल्ली और दिल्ली के आसपास के शैक्षिक रूचि के स्थानों में जाना।

पाठ्यक्रम के विभिन्न अंगों को समय का वितरण इस प्रकार किया गया था :

(अ)	शिक्षा योजना	(97 सत्र—35 प्रतिशत)
	(I) पृष्ठभूमि मूल-विषय	(20 सत्र–7 प्रतिशत)
	(II) शिक्षा योजना—सामान्य	(29 सत्र–10 प्रतिशत)
	(III) शिक्षा योजना—गुणवत्ता, समानता, संरचना और विषय-वस्तु	(48 सत्र–18 प्रतिशत)
(आ)	शिक्षा सांख्यिकी	(8 सत्र–3 प्रतिशत)
(इ)	संगठन, शिक्षा प्रशासन और योजना कार्यान्वयन	(66 सत्र–23 प्रतिशत)
(ई)	तुलनात्मक शिक्षा	(7 सत्र–2 प्रतिशत)
(उ)	व्यावहारिक कार्य– व्यावहारिक अभ्यास	(80 सत्र–28 प्रतिशत)
(ऊ)	विविध	(25 सत्र–9 प्रतिशत)

निदेशक-संगोष्ठी

सामयिक रूचि के मूल-विषयों पर निम्न चार संगोष्ठियाँ की गई थीं : (I) उच्च शिक्षा की समस्या, (II) शिक्षक का दर्जा, (III) उच्च शिक्षा के लिए योजना, और (IV) आदिवासी शिक्षा की समस्याएँ।

अनुशिक्षण

भारत में शिक्षा के विकास से संबंधित 18 विवादास्पद मूल-विषयों पर सामग्री तयार की गई थी और प्रत्येक भाग लेने वालों को इनमें से दो मूल-विषयों को चुनना था। भाग लेने वाले को एक विषय के पक्ष में और दूसरे के विपक्ष में बोलना था। पक्ष और विपक्ष मे राय प्रस्तुत करने के पश्चात् समस्त भाग लेने वालों की एक सामान्य परिचर्चा की जाती थी ताकि वे सम्बन्धित विषयों पर सर्वमान्य योजना बना सकें।

पुस्तक पुनर्विलोकन

निम्न पाँच पुस्तकें चुनी गई थीं और भाग लेने वाली से अपेक्षा की गई थी कि वे अपनी रूचि की किसी एक पुस्तक का पुनर्विलोकन प्रस्तुत करें।

(1) भारतीय शिक्षा में नीति और निष्पादन—1947-74—जे० पी० नाइक
(2) विद्यालय निर्जीव है—इवरेट रेमर
(3) उत्पीड़ित का शिक्षण—पौलो फ्रेरे
(4) आज और कल का शिक्षा संसार—यूनेस्को
(5) समानता, गुणवत्ता और मात्रा—
भारतीय शिक्षा में कल्पित त्रिकोण—जे० पी० नाइक

सत्र शोध-पत्र

प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंग के रूप में प्रत्येक राज्य से भाग लेने वालों से संयुक्त रूप से एक ऐसा सत्र शोध-पत्र तैयार करने के लिए कहा गया था जिसमें यह दर्शाया गया हो कि राज्य या ज़िला स्तर पर शिक्षा योजना और प्रशासनिक कार्य प्रणाली को किस प्रकार व्यवस्थित किया जाए ताकि कार्यकुशलता में सुधार हो। सत्र शोध-पत्रों की तैयारी से, भाग लेने वालों को समूह कार्य में भाग लेने और विशेष समस्याओं का समाधान करने में पाठ्यक्रम के दौरान अर्जित नए ज्ञान और अन्तर्दृष्टि का उपयोग करने का अवसर मिला।

स्व प्रबंधन

पाठ्यक्रम की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह थी कि भाग लेने वालों ने स्वयं पाठ्यक्रम का प्रबन्ध किया। उन्होंने पाठ्यक्रम की दिन-प्रति-दिन की व्यवस्था को देखभाल करने के लिए 8 सदस्यीय संचालन समिति का गठन किया। इसके अतिरिक्त उन्होंने दो अन्य समितियाँ भी बनाईं : छात्रावास की व्यवस्था की देखभाल के लिए छात्रावास समिति और पाठ्यक्रम रिपोर्टों के प्रलेखन से सम्बन्धित संपादकीय व्यवस्था की देखभाल के लिए संपादकीय समिति।

जम्मू और कश्मीर के कालिजों के प्रधानाचार्यों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम
(नई दिल्ली : 16 फरवरी से 26 फरवरी, 1976 तक)

जम्मू और कश्मीर सरकार ने स्टॉफ कालिज से राज्य के कालिजों के प्रधानाचार्यों के लिए एक लघु प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने का अनुरोध किया और प्रारंभिक कार्यवाही के रूप में छह व्यक्तियों—कालिज के चार प्रधानाचार्य, एक आचार्य और राज्य में उच्च शिक्षा का प्रभारी उपनिदेशक (परिशिष्ट VI-उ)—का दल नई दिल्ली भेजा। दल के सदस्यों, स्टॉफ कालिज के निदेशक और संकाय के बीच हुए विचार-विमर्श को ध्यान में रखते हुए, एक लघु अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसमें मुख्य रूप से प्रधानाचार्यों द्वारा दिन-प्रति-दिन के कार्य-संचालन में आने वाली प्रमुख समस्याओं पर ध्यान केन्द्रित किया गया।

पाठ्यक्रम विषय-वस्तु

जैसा कि उपरोक्त विचार से ज्ञात होता है समस्त कार्यक्रम का स्वरूप अन्वेषणात्मक था। कार्यक्रम के मुख्य तत्व प्रासंगिक महत्त्व के मूल विषयों पर व्याख्यान-परिचर्चा, विज्ञान शिक्षा में प्रतिभा की पहचान, 10+2+3 शिक्षा पद्धति, अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक स्थिति, कालिजों में वित्तीय प्रबंधन, उच्च शिक्षा की वित्तीयन की समस्याएँ, विज्ञान शिक्षा का विकास, मानविकी विषयों के पर्याप्त अध्ययन का विकास, उच्च शिक्षा की समस्याएँ और परीक्षा सुधार आदि थे।

व्यक्ति अध्ययन

प्रत्येक भाग लेने वाले से अनुरोध किया गया था कि वे कम से कम किसी एक समस्या जिसका उन्हें वैयक्तिक अनुभव हो और जो निम्न चार मापदंडों के अनुरूप हो, उस पर एक व्यक्ति-अध्ययन तैयार करें :

(I) ये उनके अपने अनुभव के आधार पर होनी चाहिए; (II) जिसने उनको कुछ गंभीर सोचने के लिए मजबूर किया हो या जिसका असफलता में अंत हुआ हो; (III) जिसका सामना करने के लिए मुख्य रूप से दूसरों पर निर्भर करना पड़ा हो और जिसका समाधान करने में वे स्वयं समुचित रूप से सक्षम न थे; और (IV) जो आज की परिस्थितियों के संदर्भ में समाधान योग्य हो।

क्षेत्र-वीक्षण

भाग लेने वाले नई दिल्ली के निम्नलिखित तीन कालिजों में गए : (I) लेडी श्री राम कालिज, (II) व्यवसाय अध्ययन का कालिज, और (III) लेडी इर्विन कालिज। वे राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् भी गए और वहाँ कुछेक अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श किया।

व्यावहारिक दत्तकार्य

प्रत्येक भाग लेने वाले से अनुरोध किया गया था कि वह प्रधानाचार्य के दायित्व, उसके क्रियाकलापों के नमूने और उसके सामने आने वाली समस्याओं पर एक शोध-पत्र तैयार करे। इनके ऊपर भाग लेने वालों और संकाय के सदस्यों ने संयुक्त रूप से विचार-विमर्श किया था।

प्रश्नावली तैयार करना

भाग लेने वालों ने जम्मू और कश्मीर में प्रधानाचार्यों के दायित्व, कार्य और समस्याओं का सर्वेक्षण करने के लिए एक प्रश्नावली तैयार की थी ताकि उसके आधार पर उनकी प्राशिक्षण आवश्यकताओं को भली प्रकार पहचाना जा सके और प्रशिक्षण कार्यक्रम का उपयुक्त स्वरूप निर्धारित किया जा सके।

अल्पकालीन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

भाग लेने वालों ने तीन-चार सप्ताह के दीर्घकालीन कार्यक्रम के अलावा तीन-चार दिन के अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन का सुझाव दिया। ये कार्यक्रम पुस्तकालय सेवाएँ, खेल-कूद, छात्रावास प्रबंधन, स्टॉफ बैठकों आदि कुछेक क्षेत्रों में आयोजित किए जाने चाहिए। उन्होंने उच्च शिक्षा के संस्थान, जो कि नवीन प्रक्रियात्मक कार्य कर रहे हों या अन्य राज्यों में महत्त्वपूर्ण शैक्षिक कार्यक्रम/परियोजना चला रहे हों, उनमें विशेष अध्ययन-दौरे और क्षेत्र-वीक्षण आयोजित करने का भी सुझाव दिया।

जिला शिक्षा अधिकारियों का अखिल भारतीय सम्मेलन
(नई दिल्ली : 6 मार्च से 8 मार्च, 1976 तक)

स्टॉफ कालिज ने शिक्षा मंत्रालय और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् के सहयोग से जिला शिक्षा अधिकारियों का एक अखिल भारतीय सम्मेलन, 10+2+3 शिक्षा पद्धति को अपनाने के विभिन्न पहलुओं के विचारार्थ आयोजित किया था। इस सम्मेलन में पहली बार विभिन्न राज्यों/संघ राज्य प्रशासनों के समस्त जिला शिक्षा अधिकारी एक जगह एकत्र हुए थे। यह सम्मेलन नई दिल्ली में 6 मार्च से 8 मार्च, 1976 तक हुआ था॥

मुख्य उद्देश्य

सम्मेलन के मुख्य उद्देश्य निम्न थे :

(अ) भाग लेने वालों को नई पाँचवीं योजना के कार्यक्रमों, यथा 10+2+3 की एक समान पद्धति की शुरूआत, +2 स्तर पर माध्यमिक शिक्षा का व्यावसायीकरण और गैर-औपचारिक शिक्षा की शुरूआत, के क्रियान्वयन के योग्य बनाना; और

(आ) जिन राज्यों ने पहले से ही नई पद्धति को अपना लिया है, उन राज्यों के अधिकारियों की अपने अनुभव दूसरे राज्यों से आए अधिकारियों को बताने के लिए अवसर प्रदान करना।

मुख्य मूल-विषय

निम्नलिखित मुख्य मूल-विषयों पर सम्मेलन में विचार-विमर्श हुआ था :

(अ) 10+2+3 शिक्षा पद्धति,
(आ) दस वर्षीय स्कूल के लिए पाठ्यचर्या,
(इ) व्यावसायीकरण के विशेष संदर्भ में +2 स्तर पर उच्च माध्यमिक शिक्षा, और
(ई) 6-14 आयु वर्ग के विशेष संदर्भ में गैर-औपचारिक शिक्षा।

सम्मेलन कार्यक्रम में भाग लेने वालों की संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया जिसमें बहुत से भाग लेने वालों से सम्मेलन के मूल-विषयों से संबंधित प्राप्त सुझावों पर विचार-विमर्श किया गया था।

विचार-विमर्श हेतु शोध-पत्र

विशेष रूप से सम्मेलन के लिए निम्नलिखित 8 शोध-पत्र विचार-विमर्श के लिए तैयार किए गए थे :

1. दस वर्षीय स्कूल के लिए पाठ्यचर्या—राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् द्वारा तैयार की गई रूपरेखा।

2. 6-14 आयु वर्ग के लिए गैर-औपचारिक शिक्षा—प्रो० बी० एस० रावत, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् ।
3. उच्चतर माध्यमिक शिक्षा (10+2+3 का +2 चरण)—प्रो० गोविंदा राव, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् ।
4. 10+2+3 और कुलपति—द्वारा राष्ट्रीय स्टॉफ कालिज ।
5. नए कार्यक्रम और जिला प्रशासन—द्वारा राष्ट्रीय स्टॉफ कालिज ।
6. 10+2+3 पद्धति और माध्यमिक शिक्षा का व्यावसायीकरण—डा० जी० एल० बख्शी, अध्यक्ष, केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल ।
7. राष्ट्रीय स्टॉफ कालिज और जिला शिक्षा अधिकारियों का प्रशिक्षण—द्वारा, राष्ट्रीय स्टॉफ कालिज ।
8. भाग लेने वालों की संगोष्ठी—द्वारा राष्ट्रीय स्टॉफ कालिज ।

भाग लेने वाले

सम्मेलन में 22 राज्यों और 8 संघ राज्य प्रशासनों के 262 प्रतिनिधियों ने भाग लिया था। इसके अतिरिक्त राज्य शिक्षा विभागों के बहुत-से शिक्षा आयुक्तों/सचिवों, शिक्षा निदेशकों और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी इसमें भाग लिया था ।

संकल्प

विचार-विमर्श के अंत में सम्मेलन में एक संकल्प पारित किया जिसमें कार्यक्रम के कार्यान्वयन से संबंधित केन्द्रीय और राज्य स्तर की विभिन्न एजेंसियों के लिए मुख्य-मुख्य क्रियाविधियों का उल्लेख किया गया ।

रिपोर्ट

सम्मेलन में पारित संकल्प और कार्यवाही का संक्षिप्त विवरण एक संक्षिप्त रिपोर्ट के रूप में प्रकाशित किया जा चुका है । यह रिपोर्ट समस्त राज्य सरकारों, संघ राज्य प्रशासनों, जिला शिक्षा अधिकारियों और अन्य निरीक्षक अधिकारियों और साथ ही, देश के उच्च/उच्चतर माध्यमिक स्कूलों में व्यापक रूप से परिचालित की गई है । एक पूर्ण रिपोर्ट, जिसमें सम्मेलन के सभी कार्य-पत्र तथा संक्षिप्त सारवृत दिया गया है, मुद्रणाधीन है ।

शिक्षा प्रशासन का अखिल भारतीय सर्वेक्षण

तीसरे शिक्षा सर्वेक्षण के अंग के रूप में विभिन्न राज्यों और संघ राज्यों क्षेत्र प्रशासनों में शिक्षा प्रशासन का अखिल भारतीय सर्वेक्षण करने का निश्चय किया गया था। इस प्रकार का सर्वेक्षण देश में पहली बार किया जा रहा था।

उद्देश्य

सर्वेक्षण का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय, राज्य और जिला स्तर पर वर्तमान शिक्षा प्रशासन की स्थिति को ज्ञात करना और वह ज्ञान प्रदान करना है जो देश में शिक्षा प्रशासन को सुदृढ़ और आधुनिक बनाने में सहायक हो। सर्वेक्षण में विभिन्न स्तरों पर शिक्षा प्रशासन के लिए सरकारी तंत्र के वर्तमान ढाँचे और कार्य-विधि का वर्णन करने का प्रयास किया गया है और इसमें आँकड़ों का विश्लेषण, योजना और उसके कार्यान्वयन के अंतर को दूर करने की दृष्टि से किया गया है।

सर्वेक्षण के प्रयोजन के लिए यूनेस्को की शिक्षा की परिभाषा को ध्यान में रखा गया है, यथा—"शिक्षा संगठित और सतत शिक्षण है जिसका उद्देश्य जीवन के प्रत्येक क्रियाकलाप के लिए महत्त्वपूर्ण ज्ञान, कौशल और बोध के संयोग को संचारित करना है।" सर्वेक्षण के कार्यक्षेत्र में पूर्व-प्राथमिक शिक्षा से लेकर कालिज तक की शिक्षा की समस्त अवस्थाओं के लिए सरकारी ढाँचे का, सभी प्रकार के शिक्षण का, यथा—औपचारिक तथा गैर-औपचारिक, पूर्णकालिक तथा अंशकालिक और सामान्य शिक्षा के क्षेत्र में सरकारी और गैर-सरकारी शिक्षा के क्रियाकलापों का समावेश है।

शिक्षा प्रशासन—पद्धति के रूप में

कुछ कार्यों का निष्पादन और कुछेक उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए शिक्षा प्रशासन को एक पद्धति मानकर सर्वेक्षण किया जाता है। इसी प्रसंग में सचिवालय, निदेशालय, क्षेत्रीय/मंडलीय (जहाँ भी ये विद्यमान हैं), जिला और ब्लाक स्तर पर प्रशासनिक ढाँचे के संक्षिप्त अध्ययन का कार्य और योजना, संगठन, वित्तीयन, निर्देशन, पर्यवेक्षण, निरीक्षण और मूल्यांकन जैसे कार्यों को हाथ में लिया गया है। प्रबंधन उपागम का विस्तार करते हुए शिक्षा के उद्देश्यों का निर्धारण, पुनर्विलोकन, प्रतिपुष्टि और नवीन-प्रक्रिया जैसे तत्वों का जहाँ तक हो सका है, समय और संसाधनों का ध्यान रखते हुए अध्ययन करने का प्रयास किया गया है।

राज्य सरकारों के साथ घनिष्ठ सहयोग

सर्वेक्षण की विशिष्ट बात यह थी कि यह प्रारंभ से ही योजनाबद्ध था और इसमें राज्य सरकारों और संघ राज्य प्रशासनों के साथ घनिष्ठ और सक्रिय सहयोग था। राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में प्रश्नावली प्रारूप विस्तृत रूप से परिचालित किया गया था और इसको अंतिम रूप देते समय उनकी टिप्पणियों को ध्यान में रखा गया था। इसी

प्रकार प्रत्येक राज्य/संघ राज्य के रिपोर्ट प्रारूप को उनकी संबंधित सरकार या प्रशासन को पुनरीक्षण के लिए भेजा गया था और यदि उस पर कोई टिप्पणी या सुझाव उनसे प्राप्त हुआ, उसके आधार पर उसे अंतिम रूप दिया गया था।

1975-76 के दौरान प्रगति

शैक्षिक सर्वेक्षण से सम्बन्धित कार्य 1974 वर्ष के शुरू में प्रारम्भ किया गया था। 1975 वर्ष के प्रारंभ से उत्तर सहित प्रश्नावलियाँ आनी शुरू हुई थीं।

प्रश्नावलियों का विश्लेषण, रिपोर्टों के मसौदे तैयार करना और इनका राज्य सरकारों/ संघ राज्य प्रशासनों द्वारा पुनरीक्षण, राज्य सरकारों/ संघ राज्य प्रशासनों द्वारा की गई टिप्पणियों के प्रकाश में रिपोर्टों को अंतिम रूप देने और उनके प्रकाशन के कार्य साथ-साथ चलते रहे। 1975-76 के अंत में स्थिति निम्न प्रकार थी :

प्रकाशित रिपोर्ट

अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, चंडीगढ़ और गोवा, दमन और दीव।

राज्य सरकारों को पुनरीक्षणार्थ भेजी गई रिपोर्ट

आंध्र प्रदेश, पांडिचेरी, त्रिपुरा।

राज्यों से प्राप्त पुनरीक्षित रिपोर्ट

हिमाचल प्रदेश, हरियाणा।

तैयार की जा रही रिपोर्ट

मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश।

परामर्श सेवाएँ

सिक्किम में शिक्षा का विकास

स्टॉफ कालिज के उद्देश्यों में से एक उद्देश्य राज्य सरकारों और अन्य शैक्षिक संस्थाओं को, उनके अनुरोध पर, परामर्श सेवाएँ उपलब्ध कराना है।

सिक्किम 16 मई, 1975 को भारतीय संघ का 22वां राज्य बना और तत्पश्चात प्रो० एस० नूरूल हसन, केन्द्रीय शिक्षा मंत्री ने तत्कालीन कार्यकारी निदेशक श्री वेद प्रकाश को सिक्किम जाकर वहाँ की शैक्षिक समस्याओं का प्रत्यक्ष अध्ययन करने और राज्य के शिक्षा विकास के भविष्य के बारे में, विशेष रूप से इस संबंध में स्टॉफ कालिज के दायित्व के संदर्भ में, सिफ़ारिशें करने को कहा।

श्री वेद प्रकाश ने 7 जुलाई से 9 जुलाई, 1975 तक गंगटोक में राज्यपाल, मुख्य मंत्री, शिक्षा मंत्री, शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और राज्य के लब्ध-प्रतिष्ठ शिक्षाविदों से व्यापक विचार-विमर्श किया। केन्द्रीय शिक्षा मंत्री को उन्होंने अपनी रिपोर्ट 31 जुलाई, 1975 की प्रस्तुत की। रिपोर्ट में सिक्किम में शिक्षा प्रशासन और योजना की तत्कालीन पद्धति का मूल्यांकन किया गया है और शिक्षा योजना और प्रशासनिक सेवाओं को सुधारने और सुदृढ़ करने और स्टॉफ कालिज की इससे संबंधित भूमिका के बारे में कई व्यापक सिफ़ारिशें की गई हैं।

यह रिपोर्ट 'सिक्किम में शिक्षा अवसरों का विस्तार—राज्य की शिक्षा पद्धति, उसके प्रशासन के संदर्भ में एक रिपोर्ट' शीर्षक से मुद्रित हो चुकी है।

अंतर्राष्ट्रीय ऐजेंसियों के साथ सहयोग
शिक्षा योजना में द्वितीय समूह प्रशिक्षण पाठ्यक्रम
(नई दिल्ली : 10 नवम्बर से दिसम्बर 5, 1975 तक)

स्टॉफ कालिज वे 10 नवंबर से 5 दिसंबर, 1975 तक शिक्षा योजना में द्वितीय समूह प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के द्वितीय चरण कार्यक्रम को अपने यहाँ संगठित करने के लिए एशिया में शिक्षा के लिए यूनेस्को क्षेत्रीय कार्यालय, बैंकाक के साथ सहयोग किया।

उद्देश्य

पाठ्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य प्रत्येक देश से ऐसे भाग लेने वालों का दल बनाना था जो राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा योजना और प्रबंधन के क्षेत्र में प्रशिक्षण कार्यक्रम गठित और संचालित कर सके।

कार्यक्रम के चार चरण

पाठ्यक्रम चार चरणों में कल्पित किया गया था :

चरण I : यूनेस्को क्षेत्रीय कार्यालय, बैंकाक से पत्राचार कार्यक्रम (मई से नवंबर, 1975 तक)

चरण II : नई दिल्ली में प्रशिक्षण कार्यशाला (नवंबर 10 से दिसंबर 5, 1975 तक)

चरण III : तृतीय प्रादेशिक अध्ययन और अवलोकन (श्री लंका में स्थानबद्ध) (8 से 19 दिसम्बर, 1975 तक)

चरण IV : अनुवर्ती चरण—यूनेस्को क्षेत्रीय कार्यालय, बैंकाक से पत्राचार कार्वक्रम। (जनवरी से अगस्त, 1976 तक)

भाग लेने वाले

द्वितीय चरण कार्यक्रम में 5 देशों से 28 व्यक्तियों ने भाग लिया। भाग लेने वालों का देशवार वितरण निम्न प्रकार था : बर्मा (4), भारत (7), नेपाल (3), फिलीपाइन्स (7) और श्रीलंका (7)। (परिशिष्ट VII)

व्यावहारिक अभ्यास

सामान्य व्याख्यान-परिचर्चा, पैनल परिचर्चा और अनुशिक्षण, जिसमें स्टॉफ कालिज के संकाय ने भी भाग लिया, के अलावा कार्यक्रम का प्रमुख केन्द्र बिन्दु हरियाणा के गुड़गाँव जिले स्कूल स्तर पर शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रस्तावित पंचवर्षीय योजना बनाने से संबंधित व्यावहारिक अभ्यास पर था। इसमें निम्न कार्य सम्मिलित था : (1) हरियाणा

और गुड़गाँव जिले की शिक्षा-पद्धति का सम्यक् अध्ययन करना; (2) शैक्षिक समस्याओं का निदानसूचक विश्लेषण करना; (3) गुणात्मक सुधार के लिए योजना प्रस्तावों को सूत्रबद्ध करना; (4) योजना पर रिपोर्ट का मसौदा बनाना; और (5) हरियाणा के जिला शिक्षा अधिकारियों के आलोचनात्मक मूल्यांकन और प्रतिक्रिया के लिए इसे उनके सामने प्रस्तुत करना।

व्यावहारिक अभ्यास प्रमुख रूप से भूमिका निर्वाह पर आधारित था। सभी भाग लेने वाले ऐसे दो दलों में विभक्त थे जिन्होंने निदेशक, उपनिदेशक (योजना) और कुछ विशेषज्ञ, यथा—शैक्षिक पर्यवेक्षक, पाठ्यचर्या विशेषज्ञ, अध्यापक-शिक्षक, सांख्यिकीविद्, विद्यालय भवन विशेषज्ञ और वित्त सलाहकार आदि की भूमिका का अभिनय किया।

यह अभ्यास हरियाणा सरकार के शिक्षा अधिकारियों के घनिष्ठ सहयोग से आयोजित किया गया था। चौधरी मारू सिंह मलिक, शिक्षा मंत्री, हरियाणा भी भाग लेने वालों के साथ कुछ समय तक रहे और उन्होंने संबंधित देशों की शिक्षा पद्धतियों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

पुस्तकालय और प्रलेखन सेवाएँ

राष्ट्रीय स्टॉफ कालिज शिक्षा योजना, प्रशासन और अन्य संबंधित विषयों में एक एक सुसंचित पुस्तकालय चला रहा है। पुस्तकालय में 15,000 से अधिक पुस्तकें और अन्य प्रकाशन हैं। इसमें शिक्षा, दर्शन, शिक्षा समाज शास्त्र और शिक्षा नवीन-प्रक्रिया जैसे विषयों से संबंधित अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों, यथा---संयुक्त राष्ट्र संघ (U.N.O.), यूनेस्को, आर्थिक सहकारिता और विकास संगठन (O.E.C.D.) अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (I.L.O.), यूनिसेफ़ आदि द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों और सम्मेलनों की रिपोर्टों का मूल्यवान प्रचुर भंडार है। आजकल पुस्तकालय देश की विभिन्न राज्य सरकारों और संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों से शिक्षा योजना और प्रशासन से संबंधित राज्य रिपोर्टें अन्य प्रलेख एकत्र करने के कार्य में लगा हुआ है।

पुस्तकालय शिक्षा योजना, प्रशासन, प्रबंधन, विकास और अन्य संबंधित विषयों की लगभग 150 पत्रिकाएँ मंगाता है। इन पत्रिकाओं में प्रकाशित सभी महत्वपूर्ण लेख सूची-बद्ध किए जाते हैं।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने वालों को पुस्तकालय का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। यहाँ तक कि अल्पकालीन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में एक सत्र पुस्तकालय के लिए आरक्षित होता है ताकि भाग लेने वाले शिक्षा योजना, प्रशासन और प्रबंधन के क्षेत्र में अब तक प्रकाशित विपुल साहित्य से परिचित हो सकें। पुस्तकालय प्रत्येक तिमाही में आए नए प्रकाशनों की एक त्रैमासिक सूची भी निकालता है।

पुनर्विलोकनाधीन अवधि के दौरान संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (U.N.D.P.) के प्रादेशिक कार्यक्रम के अन्तर्गत पुस्तकालय ने लगभग 500 पुस्तकें और प्रकाशन प्राप्त किए हैं। 1975-76 वर्ष के दौरान पुस्तकालय में कुल मिलाकर 925 ग्रंथों की वृद्धि हुई।

प्रकाशन

स्टॉफ कालिज स्व-आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों, संगोष्ठियों और बैठकों की रिपोर्टें (प्राय: अनुलिखित रूप में) प्रकाशित करता है। पुनर्विलोकनाधीन अवधि के दौरान निम्न रिपोर्टें प्रकाशित की गई थीं।

1. हिमाचल प्रदेश के शिक्षा अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम पर रिपोर्ट (अप्रैल 17-29, 1975)।
2. केन्द्रीय विद्यालयों के प्रधानाचार्यों के लिए प्रथम अभिविन्यास पाठ्यक्रम पर रिपोर्ट (जून 5-13, 1975)।
3. केन्द्रीय विद्यालयों के प्रधानाचार्यों के लिए द्वितीय अभिविन्यास पाठ्यक्रम पर रिपोर्ट (अक्तूबर 16-28, 1975)।
4. उत्तर-पूर्वी क्षेत्र से आए राज्य शिक्षा अधिकारियों के लिए शिक्षा योजना और प्रशासन के त्रिमासीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम पर रिपोर्ट (जनवरी 1, मार्च 31, 1976)।
5. जम्मू और कश्मीर के कालिजों के प्रधानाचार्यों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम की रिपोर्ट (फरवरी 16-26, 1976)।
6. शिक्षा प्रशासन के सर्वेक्षण पर रिपोर्टें :
   —अंडमान, निकोबार द्वीप समूह
   —चंडीगढ़
   —गोवा, दमन और दीव
7. संस्थान समाचार :
   —जनवरी-जून, 1975
   —जुलाई-सितम्बर, 1975
   —अक्तूबर, 1975-मार्च, 1976
8. बढ़ती हुई जनसंख्या और शैक्षिक अवसर की खोज (जनसंख्या गतिकी और शिक्षा पर विशेषज्ञों के राष्ट्रीय सम्मेलन की रिपोर्ट अक्तूबर 23-31, 1974)।

एशियाई संस्थान/स्टॉफ कालिज के प्रकाशनों* की अद्यतन सूची परिशिष्ट VIII में दी गई है।

*समस्त प्रकाशन नि:शुल्क है और अनुरोध पर स्टॉफ कालिज से सीमित संख्या में प्राप्त हैं।

परिशिष्ट

परिषद् के सदस्यों की सूची

प्रो० नूरूल हसन,
केन्द्रीय मंत्री, शिक्षा और समाज कल्याण, नई दिल्ली ।
(अध्यक्ष)

श्री वसन्तराव युके
शिक्षा मंत्री, मध्य प्रदेश,
भोपाल ।

श्री एम० वी० कृष्णराव,
शिक्षा मंत्री, आंध्र प्रदेश,
हैदराबाद ।

श्री एस० सी० सिन्हा,
मुख्य मंत्री और शिक्षा मंत्री,
आसाम, शिलांग ।

श्रीमती एस० ककोडकर,
मुख्य मंत्री और शिक्षा मंत्री,
गोवा ।

श्री राधा रमन,
मुख्य कार्यकारी पार्षद,
दिल्ली ।

श्री जे० एस० मेहता,
शिक्षा आयुक्त, राजस्थान,
जयपुर ।

श्री के० एन० चन्ना,
सचिव,
शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय,
नई दिल्ली ।

सचिव, भारत सरकार,
वित्त मंत्रालय,
नई दिल्ली ।

सचिव, भारत सरकार,
गृह मंत्रालय,
नई दिल्ली ।

सचिव, योजना आयोग,
नई दिल्ली ।

श्री के० पी० सिन्हा,
शिक्षा आयुक्त, विहार सरकार,
पटना ।

श्री आर०वी० चन्द्रमौलि,
शिक्षा सचिव, गुजरात,
अहमदाबाद ।

डा० वी० वैंकट नारायणन,
शिक्षा सचिव, केरल,
त्रिवेन्द्रम ।

प्रो० सतीश चन्द्र,
अध्यक्ष,
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग,
नई दिल्ली ।

डा० मल्काम एस० आदिशेषिया,
कुलपति,
मद्रास विश्वविद्यालय,
मद्रास ।

प्रो० रईस अहमद,
निदेशक,
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद,
नई दिल्ली ।

डा० एस० एन० मेहरोत्रा,
शिक्षा निदेशक, उत्तर प्रदेश,
लखनऊ ।

श्री जे० पी० नाइक,
सदस्य-सचिव,
भारतीय सामाजिक विज्ञान परिषद,
नई दिल्ली ।

श्री राजेश्वर प्रसाद,
निदेशक,
लालबहादुर शास्त्री प्रशासन अकादमी,
मसूरी ।

डा० आबाद अहमद,
प्रोफेसर, प्रबंध अध्ययन संकाय,
दिल्ली विश्वविद्यालय,
दिल्ली ।

डा० इकबाल नारायन,
विभागाध्यक्ष, राजनीति विज्ञान,
राजस्थान विश्वविद्यालय,
जयपुर ।

प्रो० एम० वी० माथुर,
निदेशक,
राष्ट्रीय स्टाँफ कालिज,
नई दिल्ली ।

(सदस्य-सचिव)

कार्यकारी समिति के सदस्यों की सूची

प्रो० नूरुल हसन, मंत्री, शिक्षा, संस्कृति और समाज कल्याण, भारत सरकार, नई दिल्ली ।	अध्यक्ष
प्रो० सतीश चन्द्र, अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली ।	सदस्य
श्री के० एन० चन्ना, सचिव, शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली ।	सदस्य
श्री एस० सी० सिन्हा, मुख्य मंत्री और शिक्षा मंत्री, आसाम, शिलांग ।	सदस्य
डा० एस० एन० मेहरोत्रा, शिक्षा निदेशक, उत्तर प्रदेश लखनऊ ।	सदस्य
सचिव, वित्त मंत्रालय और वित्त सलाहकार, राष्ट्रीय स्टॉफ कालिज ।	सदस्य
डा० मल्काम एस० आदिशेषिया, कुलपति, मद्रास विश्वविद्यालय, मद्रास ।	सदस्य
प्रो० एम० वी० माथुर, निदेशक, राष्ट्रीय स्टॉफ कालिज, नई दिल्ली ।	सदस्य-सचिव

1975-76 की लेखा-परीक्षा रिपोर्ट

सामान्य

शैक्षिक आयोजकों और प्रशासकों के लिए राष्ट्रीय स्टॉफ कालेज की स्थापना एक पंजीकृत सोसायटी के रूप में दिसम्बर 1970 में सोसायटी पंजीकरण अधिनियम 1860 के अंतर्गत की गई थी। कालेज की स्थापना का प्रमुख उद्देश्य भारतीय कार्मिकों के लिए शैक्षिक आयोजना और प्रशासन में प्रशिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं जारी रखना था जो पहले शैक्षिक आयोजना और प्रशासन के लिए एशियन संस्थान द्वारा दी जाती थी।

2. **प्राप्ति और भुगतान लेखा**

(i) कालेज के प्राप्ति और भुगतान लेखा के अनुसार 1974-75 का अन्त शेष 2,20,169.38 रु० था। 1975-76 के प्राप्ति और भुगतान लेखा में आदि शेष 2,21,279.83 रु० दिखाया गया है। 1,110.45 रु० का अन्तर यूनेस्को कूपन के रूप में 31-3-1975 को मौजूद था जिसे 1974-75 के प्राप्ति और भुगतान लेखा में नहीं दर्शाया गया था।

(ii) कालेज के नियम प्राप्ति और भुगतान लेखा तथा देयता विवरण आदि तैयार करने की अपेक्षा करते हैं। फिर भी कालेज द्वारा देयता विवरण तैयार नहीं किया गया था।

ह०

नई दिल्ली :
दिनांक 7 जून, 1977

(के० पी० रंगास्वामी)
महालेखापाल केन्द्रीय राजस्व

लेखा-परीक्षा प्रमाण पत्र

मैंने शैक्षिक आयोजकों और प्रशासकों के राष्ट्रीय स्टॉफ कालेज के पूर्ववर्ती लेखा की जांच कर ली है और अपेक्षित सभी सूचना और स्पष्टीकरण मैंने प्राप्त किए और संलग्न लेखा-परीक्षा रिपोर्ट में प्रेक्षणों को ध्यान में रखते हुए मैं प्रमाणित करता हूं कि मेरी लेखा-परीक्षा रिपोर्ट के परिणामस्वरूप, मेरे विचार से ये लेखे उचित ढंग से तैयार किए गए हैं जिससे कालेज के रिकार्ड द्वारा और मुझे दिए गए सर्वोत्तम स्पष्टीकरण तथा जानकारी के अनुसार कालेज की कार्य स्थिति का सही और उचित आभास प्रस्तुत होता है।

ह०

नई दिल्ली :
दिनांक 7 जून, 1977

(के० पी० रंगास्वामी)
महालेखापाल केन्द्रीय राजस्व

31-3-1976 को अंतशेष का विवरण

क्रम संख्या	ब्यौरे	कुल प्राप्ति	कुल भुगतान	शेष
1.	वर्ष के दौरान पिछला शेष, सहायक अनुदान और प्राप्ति	9,04,392.08	8,58,631.04	45,761.04
2.	वर्ष के दौरान अनुदान और प्राप्ति का सर्वेक्षण	1,53,324.28	95,187.87	58,136.41
3.	डी० ई० ओ० सम्मेलन के लिए अनुदान और पहली प्राप्ति	3,25,005.30	1,17,119.31	2,07,885.99
4.	यूनेस्को अनुदान और पिछला शेष	14,596.61	3,020.95	11,575.66
5.	वर्ष के दौरान प्राप्त छात्रावास का किराया	20,865.48	4,736.00	16,129.48
6.	यूनेस्को कूपन के माध्यम से 124.77 डालर	1,110.45	881.37	229.08
	जोड़	14,19,294.20	10,79,576.54	3,39,717.66

ह०
(एन० रामचंद्रन)
रजिस्ट्रार
शैक्षिक आयोजकों और प्रशासकों के
लिए राष्ट्रीय स्टॉफ कालिज,
नई दिल्ली-110016

LIBRARY & DOCUMENTATION CE
National Institute of Educational
Planning and Administration.
17-B, Sri Aurobindo Marg,
New Delhi-110016
DOC, No D-9356
Date 5-12-96

1-4-75 से 31-3-76 तक की अवधि का प्राप्ति और भुगतान लेखा

प्राप्ति			भुगतान		
	रु०	रु०		रु०	रु०
आदि शेष		2,21,279.83	**कार्यक्रम**		65,661.45
(क) मौजूद धन			लाइब्रेरी पुस्तकें	39,835.94	
सरकारी अनुदान में से	2,386.47		यूनेस्को बुककूपन द्वारा भुगतान	881.37	40,717.31
(ख) बैंक में शेष			डालर 99.03	40,717.31	
73-74 के सर्वेक्षण से	22,012.84		**अन्य खर्चे**		1,79,978.99
74-75 के सर्वेक्षण से	1,29,643.39		(क) अन्य खर्चे	7,805.80	
यूनेस्को अनुदान में से	7,948.61		(ख) फर्नीचर की मरम्मत	783.16	
अनुदान में से	58,178.07		(ग) फर्नीचर और साज सामान	3,859.04	
(ग) यूनेस्को कूपनों के माध्यम से मौजूद शेष धन-डालर 124.77	1,110.45		(घ) मनोरंजन पर खर्चा	41.85	
			(ड़) बीमा	1,956.12	
			(च) गर्म और ठंडे मौसम के खर्चे	4,836.34	
			(छ) बर्दी	1,743.78	
			(ज) डाक खर्च	5,098.10	
			(झ) कार्यालय उपकरण और बिजली के उपकरण	9,161.69	
	योग = 2,21,279.83				

1-4-75 से 31-3-76 तक की अवधि का प्राप्ति और भुगतान लेखा (जारी)

प्राप्ति			भुगतान		
	रु०	रु०		रु०	रु०
भारत सरकार से सहायक अनुदान		8,03,435.00	(ण) दर और कर	44,475.20	
योजनामत	4,12,113.00		(त) टेलीफोन खर्च	11,352.89	
योजनेतर	2,91,322.00		(थ) कार्यालय मशीनों की मरम्मत	4,727.01	
विशेष	1,00,000.00		(द) स्टॉफ कार का रख-रखाव	7,220.14	
	योग रु० 8,03,435.00		(ध) स्टॉफ कार का पेट्रोल और तेल	22,725.26	
			(न) सीजनल स्टॉफ	31,831.76	
			(प) स्टेशनरी	21,316.99	
			(फ) भवन का रख-रखाव	1,043.86	
			योग रु०	1,79,978.99	
यूनेस्को अनुदान		6,648.00			
			जमा करने के लिए अग्रिम राशि		1,05,930.00
			स्टॉफ और सदस्यों को यात्री भत्ता		7,982.65
			छुट्टी का वेतन और पेंशन अंशदान		13,611.00
			यूनेस्को की ओर से भुगतान		3,020.95
डी० ई० ओ० सम्मेलन के लिए अनुदान और प्राप्ति		3,25,005.30	डी० ई० ओ० का सम्मेलन		1,17,119.31

1-4-75 से 31-3-76 तक की अवधि का प्राप्ति और भुगतान लेखा (जारी)

प्राप्ति			रू०	भुगतान			रू०	रू०
सर्वेक्षण प्राप्ति			1,668.05	**सर्वेक्षण**				95,187.87
(क) वेतन और भत्ते		690.55		(क) वेतन और भत्ते		71,731.35		
(ख) अन्य खर्चे		977.50		(ख) अन्य खर्चे		23,456.52		
	योग रु०	1,668.05			योग रु०	95,187.87		
				छात्रावास किराए की वापसी				4,736.00
				भविष्य निधि और पेंशन				17,884.00
				एल० टी० सी० एडवांस				1,578.00
प्राप्ति (विविध)			15,993.48	एडवांस (विविध)				16,926.00
				अधिकारियों के वेतन और भत्ते तथा स्थापना				4,15,982.46
(क) कार्यक्रम		2,499.65		(क) वेतन और भत्ते (योजनागत)		83,611.05		
(ख) लाइब्रेरी पुस्तकें		1,369.84		(ख) वेतन और भत्ते (योजनेतर)		2,97,399.56		
(ग) टेलीफोन खर्च		745.01		(ग) सी० जी० एच० एस०/मेडिकल प्रतिपूर्ति		10,275.60		
(घ) पेट्रोल खर्च		1,683.88		(घ) ओ० टी० ए०		24,696.25		
(ङ) सीजनल स्टॉफ		102.50			योग रु०	4,15,982.46		
(च) वेतन और भत्ते (योजनागत)		2,129.65						
वेतन और भत्ते (योजनेतर)		7,462.95						
	योग रु०	15,993.48						

1-4-75 से 31-3-76 तक की अवधि का प्राप्ति और भुगतान लेखा (जारी)

प्राप्ति	रु०
अग्रिम (विविध)	17,323.60
एल० टी० सी० एडवांस	800.00
छात्रावास का किराया	20,865.48
भविष्य निधि और पेंशन	17,884.00
सी० जी० एच० एस० अंशदान	181.50
पंखा अग्रिम	180.00
त्यौहार अग्रिम	1,715.00
सवारी अग्रिम	1,888.60
आय कर	27,110.00

भुगतान	रू०	रु०
पंखा अग्रिम		200.00
त्यौहार अग्रिम		675.00
सवारी अग्रिम		1,258.85
आयकर		27,110.00
जी० पी० एफ०/सी० पी० एफ० एडवांस		64,900.15
मकान बनाने का अग्रिम		3,096.00
मकान का किराया		9,010.70
सी० डी० एस०		34,125.00
अंत शेष		3,39,717.66
(क) मौजूद धन		
अनुदान में से	1,359.40	
डी० ई० ओ० अनुदान में से	118.95	
सर्वेक्षण अनुदान में से	51.75	
(ख) बैंक में शेष		
अनुदान में से	60,531.12	
सर्वेक्षण अनुदान में से	58,084.66	
डी० ई० ओ० अनुदान में से	2,07,767.04	
यूनेस्को अनुदान में से	11,575.66	

1-4-75 से 31-3-76 तक की अवधि का प्राप्ति और भुगतान लेखा (जारी)

प्राप्ति		भुगतान		
	रू०		रू०	रू०
सी० पी० एफ०/जी० पी० एफ० एडवांस	64,900.15	(ग) यूनेस्को कूपनों के माध्यम से	229.08	
मकान का किराया	2,310.90	मौजूद शेष धन डालर 25.74		
मकान बनाने का अग्रिम	3,096.00		योग रु० 3,39,717.66	
सी० डी० एस०	34,125.00			
	कुल योग रु० 15,66,409.35			कुल योग रु० 15,66,409.35

प्रमाणित किया जाता है कि भारत सरकार द्वारा दिए गए सहायक अनुदान का उपयोग उसी कार्य पर किया गया है जिसके लिए उसकी स्वीकृति दी गई थी और इसमें दी गई शर्तें यथोचित पूरी की गई।

ह०
(एन० रामाचन्द्रन)
रजिस्ट्रार
शैक्षिक आयोजकों और प्रशासकों के लिए
राष्ट्रीय स्टॉफ कालिज,
नई दिल्ली-110016
13-4-77

ह०
(एम० वी०माथुर)
निदेशक
शैक्षिक आयोजकों और प्रशासकों के लिए
राष्ट्रीय स्टॉफ कालिज,
नई दिल्ली-110016
13-4-77

संकाय के सदस्य

(31-3-1976 के समय)

निदेशक	—	प्रो० एम० वी० माथुर
कार्यकारी निदेशक	—	श्री वेद प्रकाश
फेलो	—	डा० सी० बी० पद्मनाभन
*सहफेलो	—	डा० जे० सी० बनर्जी
अनुसंधान अधिकारी	—	श्री ए० एच० हेमराजानी
अनुसंधान अधिकारी	—	श्री एस० एस० दूदानी

शिक्षा प्रशासन का सर्वेक्षण

विशेष कार्य अधिकारी	—	डा० पी० डी० शुक्ला
अनुसंधान अधिकारी	—	श्री सी० पी० तिवारी
अनुसंधान अधिकारी	—	श्री टी० के० डी० नायर

*उत्तर-पूर्वी राज्यों के कार्यक्रम के लिए

स्टॉफ में परिवर्तन

प्रोफेसर एम० वी० माथुर ने 4 अक्तूबर, 1975 से निदेशक के रूप में कार्यभार संभाला ।

डा० जे० सी० बनर्जी ने 2-12-1975 को सह-फेलो के रूप में कार्यभार संभाला और 31-3-1976 को यह पद छोड़ दिया ।

श्री सी० पी० तिवारी ने 1-5-1975 को शैक्षिक सर्वेक्षण एकक में अनुसंधान अधिकारी के रूप में कार्यभार संभाला ।

श्री टी० के० डी० नायर ने 19-5-1975 को शैक्षिक सर्वेक्षण एकक में अनुसंधान अधिकारी के रूप में कार्यभार संभाला ।

हिमाचल प्रदेश से आए शिक्षा अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम
(नई दिल्ली : 17 अप्रैल से 29 अप्रैल, 1975 तक)
भाग लेने वालों की सूची

1. श्री बीर सिंह अस्सी,
   जिला शिक्षा अधिकारी,
   नाहन ।

2. श्री डब्ल्यू० एस० सीधू,
   जिला शिक्षा अधिकारी,
   बिलासपुर ।

3. श्री एन० डी० गुप्त,
   जिला शिक्षा अधिकारी,
   धर्मशाला, (कांगड़ा) ।

4. श्री एम० एल० ग्रोबर,
   जिला शिक्षा अधिकारी,
   कुलू ।

5. श्री एस० के० बहल,
   जिला शिक्षा अधिकारी,
   चम्बा ।

6. श्री एस० एस० लाल मेहरा,
   जिला शिक्षा अधिकारी,
   ऊना ।

7. श्री एस० एल० कपूर,
   जिला शिक्षा अधिकारी,
   मंडी ।

8. श्री एम० एल० सहगल,
   जिला शिक्षा अधिकारी,
   हमीरपुर ।

9. श्रीमती एस० पुरी,
   जिला शिक्षा अधिकारी,
   सोलन ।

10. श्री डी० एस० गुलेरिया,
    जिला शिक्षा अधिकारी,
    किन्नौर ।

11. श्री राजिन्दर पाल.
    उप जिला शिक्षा अधिकारी
    शिमला ।

12. श्री के० एल० शर्मा,
    उप जिला शिक्षा अधिकारी,
    शिमला ।

13. श्री धर्म सिंह ठाकुर,
    विशेष कार्य अधिकारी,
    शिक्षा निदेशालय,
    शिमला ।

14. श्री एफ० मनमोहन,
    विशेष कार्य अधिकारी,
    शिक्षा निदेशक का कार्यालय,
    (उत्तरी क्षेत्र) धर्मशाला,
    (कांगड़ा) ।

15. कुमारी भुवनेश्वरी,
    सहायक शिक्षा निदेशक,
    शिक्षा विभाग,
    शिमला ।

16. श्री जी० पी० बड़थ्वाल,
    दृश्य-श्रव्य शिक्षा अधिकारी
    सोलन ।

17. कुमारी जी० के० अतवाल,
    शिक्षा का राज्य संस्थान,
    सोलन ।

18. श्री टी० आर० चौहान,
प्रधानाचार्य,
राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय,
काँगू (हमीरपुर)।

19. कुमारी नागेश्वरी,
प्रधानाचार्य,
राजकीय कन्या उच्चतर माध्वमिक
विद्यालय,
जोगिन्दर नगर,
(मंडी)।

20. श्री एच० एल० बेदी,
प्रधानाचार्य,
राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय,
गेडौर, (हमीरपुर)।

21. श्री हौतराम अग्रवाल,
प्रधानाचार्य,
राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय,
शिमला।

22. श्री डी० वी० पुरी,
प्रधानाचार्य,
राजकीय उच्चतर माध्यमिक बिद्यालय,
शिमला।

23. कुमारी कामनी भाटिया,
प्रधानाचार्य,
राजकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक
विद्यालय,
गढ़ (कांगड़ा)।

केन्द्रीय विद्यालयों के प्रधानाचार्यों के प्रथम अभिविन्यास पाठ्यक्रम में भाग लेने वालों की सूची

(नई दिल्ली, 5 जून से 13 जून, 1975)

1. श्री० डी० दिवाकर राव,
प्रधानाचार्य, केन्द्रीय विद्यालय,
जमालपुर, बिहार।

2. श्री देवनाथ बनर्जी,
प्रधानाचार्य, केन्द्रीय विद्यालय,
कलाई कुंडा, पश्चिमी बंगाल।

3. श्रीमती कान्ति पाल,
प्रधानाचार्य, केन्द्रीय विद्यालय,
नाड करंजा, पत्रालय-यूरान,
जिला कोलाबा, बंबई।

4. श्री जे० सी० हंडा,
प्रधानाचार्य, केन्द्रीय विद्यालय,
भुवनेश्वर-7, उड़ीसा।

5. श्री त्रिलोकी नाथ गोस्वामी,
प्रधानाचार्य, केन्द्रीय विद्यालय,
बोकारो, बिहार।

6. श्री रामचन्द्र राय,
प्रधानाचार्य, केन्द्रीय विद्यालय,
देवलाली, महाराष्ट्र।

7. श्री सुदर्शन कुमार नारंग,
प्रधानाचार्य, केन्द्रीय विद्यालय,
अहमदाबाद, गुजरात।

8. श्री जे० पी० मिश्र,
प्रधानाचार्य,
विशेष केन्द्रीय विद्यालय,
जनकपुरी, दिल्ली।

9. श्री अनिलचंद्र मंता,
प्रधानाचार्य, केन्द्रीय विद्यालय,
बोरझर, गौहाटी, आसाम।

10. कु० सत्य सचदेव,
प्रधानाचार्य, केन्द्रीय विद्यालय,
आधमपुर, पंजाब।

11. श्री युवराज सिंह,
प्रधानाचार्य, केन्द्रीय विद्यालय,
ऊधमपुर, जम्मू और कश्मीर।

12. श्री सी० ए० श्रीनिवासराघवन,
प्रधानाचार्य, केन्द्रीय विद्यालय,
भारी इंजीनियरिंग निगम,
राँची, बिहार।

13. श्री कर्तार सिंह,
प्रधानाचार्य, केन्द्रीय विद्यालय,
आजमगढ़, उत्तर प्रदेश।

14. श्री जी० एस० श्रीवास्तव,
प्रधानाचार्य, केन्द्रीय विद्यालय,
डुंडीगल, ए एफ ए, हैदराबाद।

15. श्री एस० आर० सुंदरराजन,
प्रधानाचार्य, केन्द्रीय विद्यालय,
राँची, बिहार।

16. श्री के० एस० वाजपेयी,
प्रधानाचार्य, केन्द्रीय विद्यालय,
गया, बिहार।

17. श्री मोहन किशन,
प्रधानाचार्य, केन्द्रीय विद्यालय,
राजपुरा, पंजाब।

18. श्री बी० के० बोस,
प्रधानाचार्य, केन्द्रीय विद्यालय,
आमला, मध्य प्रदेश।

19. श्री ई० वी० जोसफ़,
प्रधानाचार्य, केन्द्रीय विद्यालय,
वायु सेना, जामनगर, गुजरात ।

20. श्री एस० के० सेन गुप्त,
प्रधानाचार्य, केन्द्रीय विद्यालय,
भंडारा, महाराष्ट्र ।

21. श्री ए० सीतारमन,
प्रधानाचार्य, केन्द्रीय विद्यालय,
उप्पल, हैदराबाद ।

22. श्री वी० के० गुप्त,
प्रधानाचार्य, केन्द्रीय विद्यालय,
सैना, पठानकोट ।

23. श्री एम० एल० गर्ग,
प्रधानाचार्य, केन्द्रीय विद्यालय,
अहमदनगर, महाराष्ट्र ।

24. श्री जलालुद्दीन,
प्रधानाचार्य, केन्द्रीय विद्यालय,
कांपटी, महाराष्ट्र ।

केन्द्रीय विद्यालय के प्रधानाचार्यों के द्वितीय अभिविन्यास पाठ्यक्रम में भाग लेने वालों की सूची

(नई दिल्ली : 16 अक्तूबर से 28 अक्तूबर, 1975 तक)

1. श्री श्याम सुन्दर लाल अग्रवाल,
   प्रधानाचार्य, केन्द्रीय विद्यालय,
   5-पहाड़ी डिवीजन,
   द्वारा-99 सेना डाकघर ।

2. श्री रामेश्वर प्रसाद बंसल,
   प्रधानाचार्य, केन्द्रीय विद्यालय,
   बिन्नागुड़ी छावनी ।

3. श्री पूरन चन्द्र भट्ट,
   प्रधानाचार्य, केन्द्रीय विद्यालय,
   बंगडुबी, पश्चिमी बंगाल ।

4. श्री देवेन्दर सिंह,
   प्रधानाचार्य, केन्द्रीय विद्यालय,
   अगरतला, त्रिपुरा ।

5. श्री राजेन्द्र प्रसाद द्विवेदी,
   प्रधानाचार्य, केन्द्रीय विद्यालय,
   योल केंप, हिमाचल प्रदेश ।

6. श्री दयाशंकर गौतम,
   प्रधानाचार्य, केन्द्रीय विद्यालय,
   बड़ौदा ।

7. श्री एच० पी० सिंह गिल,
   प्रधानाचार्य, केन्द्रीय विद्यालय,
   कालीकट, केरल ।

8. श्री एम० आयंगर,
   प्रधानाचार्य, केन्द्रीय विद्यालय,
   कालीकट, केरल ।

9. श्री कंवर जुनेजा,
   प्रधानाचार्य, केन्द्रीय विद्यालय,
   फिरोजपुर, पंजाब ।

10. श्री हरि नंदन मिश्र,
    प्रधानाचार्य, केन्द्रीय विद्यालय,
    नारंगी, गौहाटी ।

11. श्री राजेन्द्र सहाय मित्तल,
    प्रधानाचार्य, केन्द्रीय विद्यालय,
    तेजपुर ।

12. श्री एम० के० नरसिंहन,
    प्रधानाचार्य, केन्द्रीय विद्यालय,
    लोनावाला ।

13. श्री कन्नथ पद्मनाभन,
    प्रधानाचार्य, केन्द्रीय बिद्यालय,
    बिदार, कर्नाटक ।

14. श्री टी० प्रभाकर,
    प्रधानाचार्य, केन्द्रीय विद्यालय,
    त्रिचरापल्ली, तमिलनाडु ।

15. श्री के० जी० रामकृष्णन,
    प्रधानाचार्य, केन्द्रीय विद्यालय,
    पुरी, उड़ीसा ।

16. श्री एन० रामेश्वरम,
    प्रधानाचार्य, केन्द्रीय विद्यालय,
    104 क्षेत्र, विशाखापटनम ।

17. कु० एन० शारदाम्मल,
    प्रधानाचार्य, केन्द्रीय विद्यालय,
    मीनाम्बक्कम, मद्रास ।

18. श्री एन० एस० आर० के० शर्मा,
    प्रधानाचार्य, केन्द्रीय विद्यालय,
    सम्बलपुर, उड़ीसा ।

19. श्री भजुराम शर्मा,
प्रधानाचार्य, केन्द्रीय विद्यालय,
पारादीप पोर्ट, उड़ीसा ।

20. श्री सोमदत्त शुक्ला,
प्रधानाचार्य, केन्द्रीय विद्यालय,
फतेहगढ़ ।

21. श्री अमर कुमार सिन्हा,
प्रधानाचार्य, केन्द्रीय विद्यालय,
भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड,
हरद्वार ।

22. श्री सुभाषचंद्र सूद,
प्रधानाचार्य, केन्द्रीय विद्यालय,
आई एन एस वालुसुरा, जामनगर,
गुजरात ।

23. श्री नेहपाल सिंह तंवर,
प्रधानाचार्य, केन्द्रीय विद्यालय,
बैरागढ़, भोपाल ।

उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के राज्य शिक्षा अधिकारियों के लिए शिक्षा योजना और प्रशासन पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भाग लेने वालों की सूची
(नई दिल्ली : 1 जनवरी से 31 मार्च, 1976 तक)

अरूणाचल प्रदेश

1. श्री सी० के० भुयान,
   उपशिक्षा निदेशक, शिलांग ।

2. श्री ए० पी० श्रीवास्तव,
   जिला विद्यालय निरीक्षक,
   जिला सियांग, अलाँग ।

असम

3. श्री ए० पी० बरूआ,
   सांख्यिकीय अधिकारी,
   एस० आई० ई०, जोरहट ।

4. श्री एम० सी० भुयान,
   विद्यालय निरीक्षक,
   नौगांव जिला अंचल,
   नोगांव ।

5. डा० पी० के० तालुकदार,
   उपनिदेशक, सार्वजनिक शिक्षा,
   दीसपुर ।

6. कु० तरूणा ठाकुर,
   उप-प्रधानाचार्य,
   एस० आई० ई०, जोरहट ।

मणिपुर

7. श्री एच० होंग्रे,
   जिला शिक्षा अधिकारी,
   व्यूलैंड, उकरूल ।

8. श्री आर० साबूलस,
   शिक्षा उप-निदेशक (प्राथमिक)
   डिवलैंड, उकरूल, इम्फाल ।

9. श्री आई० जी० सिंह,
   जिला शिक्षा अधिकारी,
   माओ ।

10. श्री पी० टी० सिंह,
    विद्यालय महानिरीक्षक (अंचल-II)
    इम्फाल ।

मेघालय

11. श्री जे० बंगशक,
    सहायक विद्यालय निरीक्षक,
    तुरा, गारो हिल्स ।

12. श्री आर० एन० दत्ता,
    शिक्षा उपनिदेशक,
    शिलांग ।

13. श्री० ए० हन्नन,
    विद्यालय निरीक्षक,
    शिलांग ।

मिजोरम

14. श्री सी० लालविया,
    मिजोरम शिक्षा संस्थान,
    ऐजल ।

नागालैंड

15. श्री एस० डी० बोर्कोटाकी,
    शिक्षा सहायक निदेशक,
    कोहिमा ।

16. श्री आर० साँचु,
    प्रधानाचार्य, अवर अध्यापक प्रशिण
    संस्थान, चेइचेमा ।

सिक्कम

17. श्री डी० सी० अग्निहोत्री,
जिला शिक्षा अधिकारी,
गंगटोक ।

18. श्री के० एल० बामोला,
सहायक शिक्षा निदेशक,
गंगटोक ।

19. श्री एस० एन० लाल गुप्ता,
जिला शिक्षा अधिकारी (पश्चिम),
गयाजिंग ।

20. श्री टी० टी० लेपचा,
जिला शिक्षा अधिकारी (उत्तर),
मांगन ।

21. श्री एम० सी० माथुर,
प्रधानाचार्य,
टी० एन० बाल उच्चतर माध्यमिक
विद्यालय, गंगटोक ।

त्रिपुरा

22. श्री सुकुमार दास,
शिक्षा उप निदेशक,
अगरतला ।

23. श्री जे० सी० दत्ता,
सहायक प्रकाशन अधिकारी,
प्रकाशन एकक, शिक्षा विभाग,
अगरतला ।

24. श्री आर० सेन सर्मा,
मार्गदर्शन अधिकारी,
शिक्षा और व्यावसायिक मार्गदर्शन
ब्यूरो, अगरतला ।

अफगानिस्तान

25. श्री अब्दुल मदूद वफामल,
सदस्य, योजना विभाग,
शिक्षा मंत्रालय,
अफ़गानिस्तान सरकार,
काबुल ।

जम्मू और कश्मीर के कालिजों के प्रधानाचार्यों के अभिविन्यास पाठ्यक्रम में भाग लेने वालों की सूची

(नई दिल्ली : 16 फरवरी से 26 फरवरी, 1976 तक)

1. प्रो० पी० एन० गंजू,
   उप निदेशक (कालिज),
   कार्यालय, शिक्षा आयुक्त,
   श्रीनगर (जम्मू और कश्मीर)।

2. प्रो० अली मोहम्मद पीरजादा,
   प्रधानाचार्य, राजकीय स्नातक कालिज,
   अनन्तनाग (कश्मीर)।

3. प्रो० ओंकार नाथ कौल,
   प्रधानाचार्य, ए० एस० कालिज,
   श्रीनगर (जम्मू और कश्मीर)।

4. श्रीमती शामला मुफ्ती,
   प्रधानाचार्य, राजकीय महिला कालिज,
   मौलाना आजाद रोड,
   श्रीनगर (जम्मू और कश्मीर)।

5. श्रीमती कृष्णा मिस्री,
   प्रधानाचार्य, राजकीय महिला कालिज,
   नवकाडल, श्रीनगर (जम्मू और कश्मीर)

6. प्रो० गुलाम रसूल बचा,
   प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष, दर्शन,
   राजकीय कालिज, सोपोर (कश्मीर)।

शिक्षा योजना में यूनेस्को द्वितीय समूह प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भाग लेने वालों की सूची

(नई दिल्ली : 10 नवम्बर से 5 दिसम्बर, 1975 तक)

बर्मा

1. श्रीमती मा० मा० सेइन,
   शीक्षा अनुसंधान अधिकारी,
   बर्मा शिक्षा अनुसंधान केन्द्र,
   426, प्रेमे रोड,
   बिश्वविद्यालय डाकघर,
   रंगून, बर्मा।
2. कु० लाचू,
   सहायक प्रवक्ता,
   अर्थशास्त्र विभाग, रंगून, बर्मा।
3. यू० तुन चुवे,
   सहायक प्रवक्ता,
   शिक्षा संस्थान, रंगून, बर्मा।
4. यू० बा० थान,
   मंडल शिक्षा अधिकारी,
   तेनासेरिम मंडल,
   तैवाय, बर्मा।

भारत

5. श्रीमती कुसुम नारायण कामत,
   प्राथमिक विद्यालय अधीक्षक,
   शिक्षा विभाग,
   वृहद बम्बई नगर निगम, भारत।
6. श्री बेअन्त सिंह,
   उपशिक्षा अधिकारी,
   मुख्यालय, पोर्ट ब्लेयर, अन्डमान और निकोबार द्वीपसमूह, भारत।
7. श्री एस० एस० दूदानी
   अनुसंधान अधिकारी,
   शिक्षा आयोजकों और प्रशासकों का राष्ट्रीय स्टॉफ कालिज,
   नई दिल्ली, भारत।
8. श्री एम० रघुराम सिंह,
   राज्य मूल्यांकन एकक,
   डी० बी० आई० अहाता, कालेज रोड,
   मद्रास-6, भारत।
9. कु० उषा सुन्द्री वली,
   उपनिदेशक,
   शिक्षा निदेशालय,
   बीकानेर (राजस्थान), भारत।
10. श्री प्रेम पाल सिंह,
    सार्वजनिक शिक्षा सहायक निदेशक,
    मध्य प्रदेश, भोपाल, भारत।
11. श्री आई० बी० संगल,
    शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय,
    शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110001,
    भारत।

नेपाल

12. श्री सुन्दर प्रसाद श्रेष्ठ,
    तकनीकी अनुभाग अधिकारी,
    क्षेत्रीय शिक्षा निदेशालय का कार्यालय,
    काठमांडु, नेपाल।
13. श्री नरोत्तम शर्मा,
    पर्यवेक्षक,
    जिला शिक्षा कार्यालय,
    काठमांडू, नेपाल।
14. श्री मुकुन्द प्रसाद आचार्य,
    कार्यकारी उप निदेशक,
    क्षेत्रीय शिक्षा निदेशालय,
    (पश्चिमी क्षेत्र),
    पोखरा, नेपाल।

फ्लिीपाइन्स

15. कु० कैरीलिना वी० पनारेस,
सहायक निदेशक,
शिक्षा और संस्कृति विभाग,
क्षेत्र-VII, सेबु सिटी ।

16. श्री रास्टेको जो वल्डोरिया,
वरिष्ठ शिक्षा परियोजना विकास और मूल्यांकन अधिकारी,
परियोजना विकास और मूल्यांकन प्रभाग,
आयोजना सेवा,
शिक्षा और संस्कृति विभाग,
मनीला ।

17. डा० बिएनविनीडो बी० मैनुएल,
अध्यक्ष/प्रमुख, उच्च शिक्षा,
क्षेत्र IV, शिक्षा और संस्कृति विभाग,
वनावे, वियनज़ान सिटी ।

18. डा० मैनुएल एल० कहीगास,
अध्यक्ष, उच्च शिक्षा प्रभाग,
शिक्षा और संस्कृति विभाग,
क्षेत्र-II, टूग्यूगारोओ,
कागायन ।

19. श्री एडगार्डो जी० दातार,
अध्यक्ष, प्राथमिक शिक्षा प्रभाग,
शिक्षा और संस्कृति विभाग,
क्षेत्र-IV,
लेगास्पी सिटी ।

20. श्री ग्लाइसेरिओ एस० आबाद,
फेलो, फिलीपाइन्स विकास अकादमी,
पोस्ट बाक्स संख्या-5160,
मुकानीरिज़ाल ।

21. श्रीमती प्रेसिल्ला डी एसग्वेरा,
वरिष्ठ शिक्षा आयोजना विश्लेषक,
अध्यक्ष, उच्च शिक्षा एकक,
योजना और कार्यक्रम प्रभाग,
योजना सेवा,
शिक्षा और संस्कृति विभाग,
मनीला, ।

श्रीलंका

22. श्री बितानगे थामस पेरेरा
तिलकरत्ने
प्रधानाचार्य, आनंद शस्त्रालय,
कोट्टे, श्रीलंका ।

23. श्रीमती पद्मिनी प्रेमावती फनसेका,
प्रधानाचार्य, दक्षिण कोलंबो,
प्रेसविटेरियन कन्या विद्यालय,
रीजेन्ट स्ट्रीट, कोलंबो-10
श्रीलंका ।

24. श्री ई० एस० डबल्यू पेरेरा,
मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी,
शिक्षा विभाग, मतारा, श्रीलंका ।

25. श्री जिनादासा मुनासिंगे,
मुख्य शिक्षा अधिकारी,
क्षेत्रीय शिक्षा कार्यालय,
गमफाहा (डब्ल्यू० पी०), श्रीलंका ।

26. श्री टी० बी० करूनारत्ने,
शिक्षा अधिकारी,
शिक्षा कार्यालय, कैंडी, श्रीलंका ।

27. श्री मोहम्मद मेदीन मँसूर,
मुख्य शिक्षा अधिकारी,
शिक्षा कार्यालय,
कलमुनाई, श्रीलंका ।

28. श्री रमयिल्ले मुरूगायन,
संपादक, शैक्षिक प्रकाशन विभाग,
5, डीफान्सेका रोड,
कोलंबो-5, श्रीलंका ।

एशियाई संस्थान/स्टॉफ कालिज के प्रकाशनों की अद्यतन सूची†

एशियाई संस्थान द्वारा प्रकाशित

1. ज़िला शिक्षा योजना—डा० जे० पी० नाइक (1969)
2. संस्थागत योजना—डा० जे० पी० नाइक (1969)
3. स्कूल सुधार परियोजनाएँ और जन समर्थन
   —श्री एन० डी० सुन्दरावाड़ीवेलु (1969)
4. ज़िला स्तर पर शिक्षा सुधार के कार्यक्रम जिनमें अधिक वित्त परिव्यय न हो
   —श्री एम० वी० राजगोपाल (1969)
5. शिक्षा योजना में आधुनिक प्रवृत्तियाँ—श्री सी० सी० पद्मनाभन (1969)
6. भारत में शिक्षा योजना के प्रशासनिक पहलुओं पर कुछेक विचार
   —श्री वेद प्रकाश (1969)
7. शिक्षा योजना के लिए कार्मिक-प्रशिक्षण पर कुछेक टिप्पणियाँ
   —श्री वेद प्रकाश (1969)
8. जिला शिक्षा अधिकारियों के दायित्व, कार्य, भर्ती और प्रशिक्षण की राष्ट्रीय संगोष्ठी की रिपोर्ट (1970)
9. आजीवन शिक्षा—आजीवन एकीकृत शिक्षा पर विशेषज्ञों की बैठक की रिपोर्ट (1970)
10. एशियाई क्षेत्र में शिक्षा योजना के लिए चुने हुए आँकड़े—श्री वेद प्रकाश (1970)
11. शिक्षा योजना को लागू करने के सामाजिक, शैक्षणिक, आर्थिक और राजनीतिक पक्ष
    —प्रो० एम० वी० माथुर (1970)
12. शिक्षा योजना और प्रशासन पर राज्य संगोष्ठियों की रिपोर्टें :
    —गुजरात
    —मैसूर
    —उड़ीसा
13. "शिक्षा के लिए संसाधनों का संग्रहण" पर अध्ययन ग्रुप की रिपोर्ट (1971)
14. शिक्षा प्रशासन में आधुनिक प्रबंध तकनीक (1971)
15. शिक्षा आँकड़ों पर क्षेत्रीय प्रशिक्षण सेमिनार की रिपोर्ट (1971)
16. *गुरुडल और योजना अभ्यास (खंड I और II), 1971
17. शिक्षा योजना और प्रबंध—शिक्षा योजना और प्रबंध पर उच्च प्रशिक्षण संगोष्ठी की रिपोर्ट (1973)

†ये सब प्रकाशन अंग्रेजी में ही प्रकाशित हैं।
*एक काल्पनिक देश

राष्ट्रीय स्टॉफ कालिज द्वारा प्रकाशित

1. जिला शिक्षा अधिकारियों के प्रशिक्षण पर अध्ययन दल की रिपोर्ट (1972)
2. भारत में शैक्षिक नवीन प्रक्रियाएँ—कुछ प्रयोग (1974)
3. पाँचवीं पंचवर्षीय योजना के विशेष संदर्भ में, भारत में शिक्षा का प्रशासन और वित्तीयन (1974)
4. शिक्षा योजना और प्रशासन पर राज्य सगोष्ठियों की रिपोर्टें—आँध्र प्रदेश, बिहार, हरियाणा, जम्मू और कश्मीर, केरल, नागालैंड, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल (1969-71)
5. एशियाई संस्थान द्वारा संगठित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का पुनर्विलोकन (1962-72) (1974)
6. बढ़ती हुई जनसंख्या और शिक्षा अवसरों की खोज—यूनेस्को के जनसंख्या गतिकी और शिक्षा पर विशेषज्ञों के राष्ट्रीय सम्मेलन की रिपोर्ट (अक्तूबर 28-31, 1974)
7. हरियाणा में शिक्षा प्रशासन के आधुनिकीकरण पर अभिविन्यास पाठ्यक्रम की रिपोर्ट (जनवरी 12—फरवरी 24, 1975)
8. अफ़गानिस्तान से आए शिक्षा अधिकारियों के लिए विशेष अध्ययन पाठ्यक्रम की रिपोर्ट (नवम्बर 11, 1974 से जनवरी 18, 1975)
9. हिमाचल प्रदेश के शिक्षा अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम की रिपोर्ट (अप्रैल 17-29, 1975)
10. केन्द्रीय विद्यालयों के प्रधानाचार्यों के लिए प्रथम अभिविन्यास पाठ्यक्रम की रिपोर्ट (जून 5-13, 1975)
11. केन्द्रीय विद्यालयों के प्रधानाचार्यों के लिए द्वितीय अभिविन्यास पाठ्यक्रम की रिपोर्ट (अक्तूबर 16-28, 1975)
12. उत्तर-पूर्वी क्षेत्र से आए राज्य शिक्षा अधिकारियों के लिए शिक्षा आयोजना और प्रशासन पर त्रिमासीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम की रिपोर्ट (जनवरी 1—मार्च 31, 1976)
13. जम्मू और कश्मीर कालिजों के प्रधानाचार्यों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम की रिपोर्ट (फरवरी 16-26, 1976)
14. 10+2+3 : जिला शिक्षा अधिकारियों के अखिल भारतीय सम्मेलन की संक्षिप्त रिपोर्ट (मार्च 6-8, 1976)
15. संघ राज्य क्षेत्रों में शिक्षा प्रशासन पर तीसरे अखिल भारतीय सर्वेक्षण की रिपोर्टें :
    - अंडमान, निकोबार द्वीप समूह
    - चंडीगढ़
    - गोवा, दमन, दीव

LIBRARY & DOCUMENTATION CENTRE
National Institute of Educational
Planning and Administration.
17-B, Sri Aurobindo Marg,
New Delhi-110016
DOC, No D-9356
Date 5-12-96